एक नजर में

सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब के तहसील अध्यक्ष घोषित

खरगोन, निप्र। सेंट्रल इंडिया प्रेसक्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार दास, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गुर्जर की अनुशंसा पर संरक्षक मनोज रघुवंशी की सहमति से जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रामणेकर के जिले में सेंट्रल इंडिया प्रेसक्लब के तहसील अध्यक्ष पदों की घोषणा की है। संगठन को मजबूत करते हुए पत्रकरो के हितों में कार्य करने और उनकी समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य कार्य किये जायेंगे। जिसमे अमित भटोरे खरगोन, सेवकराम चौबे कसरावद, कृष्णलाल विश्वकर्मा महेश्वर, सन्तोष वर्मा करही, अमित जोशी बड़वाह, श्याम जोशी सनावद, कौशल उपाध्याय बेड़िया, तपन गुप्ता भीकनगांव, सुधीर यादव (टोनु) झिरन्या, सुभाष टाके बिस्टान, विनोद जायसवाल भगवानपुरा, दीपक गुप्ता सेंगाव, सौरभ राठौड़ गोगावां को बनाया गया।

पीपलझोपा की लक्ष्मी को राष्ट्रीय आदिवासी अधिकार सम्मेलन में मिला अवार्ड

खरगोन, निप्र। भुवनेश्वर (ओडिसा) में आदिवासी जनजाति अधिकार मंच द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय आदिवासी अधिकार सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में जंगल, आजीविका पहचान और आदिवासी सशक्तिकरण पर मंथन किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्राम पीपलझोपा की सामाजिक कार्यकर्ता छात्रा लक्ष्मी सोलंकी ने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। छात्रा लक्ष्मी ने पैसा एक्ट, वन अधिकार मान्यता कानून को लेकर अपने बात रखी। लक्ष्मी को जल-जंगल संरक्षण की दिशा में काम करने पर जल- जंगल अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में लक्ष्मी ने सम्मेलन में कहा कि वनाधानिकार कानून बना 20 पूरे हो चुके हैं, लेकिन देखा जाए तो जो वास्तविक धरातल पर काम होना चाहिए वह नहीं हुआ है। यह कानून सिर्फ व सिर्फ कागजों में ही सिमटकर रह गया है। जिस तरह से आदिवासियो को जमीन का हक अधिकर मिलना चाहिए था, वह नही मिल पाया है। जो समस्याएं मध्यप्रदेश में है वहीं समस्याएं पूरे देश भर में देखने को मिली है। इसी को लेकर भुवनेश्वर के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से चर्चा की।

जिले में नेशनल लोक अदालत की तैयारियों की ऑनलाइन समीक्षा बैठक

खरगोन, निप्र। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडलेश्वर श्री अखिलेश जोशी की अध्यक्षता में 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन एवं प्रकरणों के अधिकतम निराकरण के लिए जिले के समस्त न्यायाधीशों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों—जैसे चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना, अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन प्रकरण (बैंक, विद्युत, जलकर एवं संपत्ति कर से संबंधित) के अधिक से अधिक निराकरण एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही ''मीडिएशन फॉर द नेशन 2.0'' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 02 जनवरी 2026 से 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी विशेष अभियान जिले के समस्त न्यायालयों में संचालित किए जाने की जानकारी दी गई। अभियान के तहत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का आपसी राजीनामा एवं सुलह-समझाइश के माध्यम से समाधान कराने के लिए प्रशिक्षित मीडिएटर्स को भेजा जा रहा है। जिले में मंडलेश्वर, महेश्वर, कसरावद, बड़वाह, भीकनगांव एवं खरगोन में लगभग 273 प्रकरण मध्यस्थता के लिए रेफर किए जा चुके हैं। पक्षकारगण भी अपने मामलों के समाधान के लिए मध्यस्थता का विकल्प अपनाते हुए न्यायालय के समक्ष आवेदन कर सकते हैं। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडलेश्वर श्री अखिलेश जोशी द्वारा जिले के समस्त न्यायाधीशों को अधिक संख्या में प्रकरण मध्यस्थता के लिए रेफर करने एवं समाधानपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मंडलेश्वर, जिला न्यायाधीशगण, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे।

ज्योति नगर में ब्रज की तर्ज पर मना फाग उत्सव राधा-कृष्ण स्वरुप में की रासलीला

खरगोन, निप्र। फाल्गुन माह में चहूंओर रंगोत्सव की धूम मची हुई है। शहर के ज्योति नगर में चार दिवसीय फाग उत्सव का आयोजन किया गया। यहां मंगलवार रात ब्रज की तर्ज पर फाग उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलोनी के महिला-पुरुषों के साथ बच्चे भी श्रीकृष्ण भक्ति में रमे नजर आए। यहां श्री श्याम भजनों के बीच फूलों की होली खेली गई। महिलाओं ने एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर उत्सव की खुशी का इजहार किया। कॉलोनी के शिवानी तड़ेवला, सचिन नीमा, मिश्री मालवीय, प्रमोद जोशी, प्रकाश चौरे श्रीकृष्ण तो वही पीहू कुमावत भारती नीमा, अश्विनी आडतिया, बेला जोशी, हर्षिता जोशी, पूजा चौरे अलग. अलग दिन राधारानी की वेशभूषा में श्रृंगारित होकर फाग उत्सव में शामिल हुई। राधा-कृष्ण की वेशभूषा में रास लीला की सजीव झांकी आकर्षण का केंद्र रही। राधा स्वरुप में श्रृंगारित जोडियों के नयनाभिराम श्रृंगार ने उपस्थितजनों का मनमोह लिया। राधा-कृष्ण के रुप में सजी जोडियों के साथ ही महिलाओं ने गोपियां बनकर मनोहारी नृत्य किया, जिससे संपूर्ण वातावरण राधा-कृष्ण की अलौकिक भक्ति से सराबोर हो उठा। आयोजन समिति की श्रीमती अनिता मालवीय ने कहा कि फाग महोत्सव सनातन धर्म की अनूठी धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत है। यह आयोजन नई पीढ़ी को इस धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव से जोड़ेगा और इसे बढ़ावा मिलेगा। मोना आचार्य, संगीता सोनी, पूजा चौरे ने बताया यह आयोजन होलिका दहन तक अनवरत जारी रहा। प्रतिदिन रात्रि 9 बजे भव्य आरती के साथ भगवान के श्रीचरणों में फूलों की होली खेली गई। होलिका दहन के बाद फाग उत्सव के समापन पर हर्बल रंगों से भी होली खेली गई। अंजली गडकरी, रानू पाल, शारदा राठौर, मधु परमार्थी, प्रिया मालवीय, हर्षिता जोशी, ममता परमार्थी, राधिका डंडीर, कल्पना शर्मा, दीपिका शर्मा, राधिका डंडीर, भारती नीमा, लता कुमावत ने बताया चार दिवसीय इस उत्सव में बालक-बालिकाओं में धर्म, संस्कृति के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ ही उनकी प्रतिभा दिखाने का मंच भी प्रदान करने का प्रयास था।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर जेआईटी बोरावां में दो दिवसीय कार्यशाला

कार्यक्रम का आरंभ पारंपरिक रूप से मां सरस्वती के पूजन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। मध्यप्रदेश काउन्सिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के सौजन्य से जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, बोरावां में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दिनांक 27 एवं 28 फरवरी को 'विज्ञान के क्षेत्र एवं विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं का योगदान' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला की गई।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों के लिए क्विज प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, रोबोट प्रदर्शनी एवं विषय विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। 28 फरवरी को आयोजित एक्सपर्ट चर्चा सत्र में डॉ. अजय जैन (इंटरनेशनल कन्वेनर, रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया), सुश्री प्रियंका आर्य (एच.आर., आगा खा फाउंडेशन) एवं इकबाल बेग (प्रोग्राम विशेषज्ञ, कृषि क्षेत्र) विशेष रूप से उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने विज्ञान एवं अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका तथा विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संस्थान प्राचार्य डॉ. अतुल उपाध्याय, डीन डॉ. सुनील सुगंधी एवं प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर प्रो. अभिषेक यादव द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आरंभ पारंपरिक रूप से माँ सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्रो. अभिषेक यादव ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार एवं रचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया। यह आयोजन विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यशाला के उपरांत अतिथियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेतओं को पुरस्कृत किया गया एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। रिसर्च व नवाचार को बढ़ावा देने एमओयू पर हस्ताक्षर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 28 फरवरी 2026 को जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बोरावां एवं रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया तथा इंदौर के मध्य मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू संस्थान को रिसर्च एक्सीलेंस इंस्टीट्यूट के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता, गुणवत्ता आधारित अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास, ग्रामीण क्षेत्र आधारित शोध एवं सतत विकास को प्रोत्साहित करना है।

डॉ. संतोष पॅवार डीन रिसर्च ने जानकारी देते हुए बताया कि एमओयू के प्रमुख बिंदुओं में शोध मार्गदर्शन एवं संयुक्त अकादमिक प्रोजेक्ट, गुणवत्तापूर्ण रिसर्च पब्लिकेशन एवं फैकल्टी डेवलपमेंट, ग्रामीण विकास एवं समुदाय आधारित अनुसंधान, सस्टेनेबिलिटी एवं जागरूकता आधारित शोध, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सेमिनार, वर्कशॉप एवं संगोष्ठियां, ओरिएंटेशन, रिफ्रेशर व शॉर्ट टर्म कोर्स, छात्रों के लिए स्किल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, इस सहयोग के माध्यम से फैकल्टी सदस्यों की शोध क्षमता को सशक्त करने के साथ-साथ ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को संरचित मेंटरशिप, व्यावहारिक अनुभव एवं बेहतर शैक्षणिक अवसर प्रदान किए जाएंगे।

पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर इस प्रकार की कार्यशाला एवं प्रतिष्ठित शोध संस्थान के साथ एमओयू शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा देगा। इससे ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध अवसर प्राप्त होंगे, जो विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नगर के 15 वार्डों में 17 स्थानों पर होलिका दहन

कसरावदस, निप्र। नगर के 15 वार्डों में 17 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन धार्मिक परंपरा और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। शुभ मुहूर्त में श्रद्धालुओं ने होलिका का पूजन-अर्चन कर समृद्धि और सुख-शांति की कामना की। महिलाओं व बालिकाओं ने पारंपरिक रीति से पूजा कर हार-कंगन का प्रसाद अर्पित किया। वहीं बच्चों ने गोबर के उपले तैयार कर एवं लकड़ियां एकत्रित कर आयोजन में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इधर ग्राम दोगावां में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अनूठी आस्था का परिचय देते हुए 11,151 उपलों से लगभग 1500 फीट लंबी माला तैयार की। करीब 80 बच्चों ने सामूहिक रूप से इस माला को होली चौक स्थित दहन स्थल तक पहुंचाया। बच्चों ने कई दिन पूर्व से उपले बनाना शुरू कर दिया था, जिससे पूरे गांव में पर्व को लेकर विशेष उत्साह का माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों की इस सराहनीय पहल ने इस वर्ष का होलिका दहन विशेष और यादगार बना दिया। आयोजन के दौरान पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, परंपरा और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

फाल्गुन माह की अष्टानिका के समापन पर सिद्धचक्र मंडल विधान रचाया

सनावद, निप्र। धर्म प्रभावना में अग्रणी रहने वाले वाले नगर सनावद में फाल्गुन माह की अष्टानिका पर्व के समापन पर श्री आदिनाथ जिनालय में सिद्ध चक्र मंडल विधान रचाया गया। सन्मतिजैन काका ने बताया की जैन धर्म में अष्टानिका पर्व (अष्टाह्निका) साल में तीन बार आती है। यह आठ दिनों का एक प्रमुख शाश्वत पर्व है, जो कार्तिक, फाल्गुन आषाढ़ महीनों में शुक्ल पक्ष की अष्टमी से पूर्णिमा तक मनायी जाती है। इसी फाल्गुन माह की अष्टानिका के समापन पर मंगलवार 03 मार्च 2026 को आदिनाथ जिनालय मे प्रात: 7.15 बजे से अभिषेक, शांतिधारा पश्चात आचार्य श्री 108 विप्रणत सागर जी महराज द्वारा रचित सिद्ध चक्र मण्डल विधान रचाया गया जिसमें 120 अर्घ्य सभी समाजजनो के द्वारा समर्पित किए गए। इस पर प्रफुल्ल जैन, पूर्णिमा जैन, महिमा जैन के द्वारा पूजन संपन्न कराई गई। इस अवसर पर राजेश जटाले, पुष्पेंद्र पंचोलिया, अनित जटाले, तपन जैन, कमल काला, सुनील भूच, नंदलाल जैनी, टीकमचंद जैन, ज्ञानचंद भूच, हेमा जैन, विभूति अप्सरा जैन, राजकुमारी पंचोलिया, नैना चौधरी, प्रीति जटाले, सुनीता लश्करे रूपल चौधरी, प्रभा लश्करे, प्रतिभा जैन, लेखमाला जैन, रीना जैन सहितसभी समाजजन उपस्थित होकर धर्म प्रभावना में सहायक बनें।

भगोरिया का त्योहार बिस्टान में उल्लास के साथ मनाया

बिस्टान, निप्र। आदिवासी समाज का प्रमुख पारंपरिक लोकप्रिय भगोरिया का त्योहार सोमवार को बिस्टान में उल्लास के साथ मनाया। अनकवाडी स्थित मंडी प्रांगण के सामने मैदान मैं समाजजन की भीड़ जुटी। कई युवा टोलियां बांसुरी की धुन पर थिरकते व त्यौहार का लुफ्त लेते नजर आए। जन प्रतिनिधियों के साथ समाजजन बीच शामिल होकर आयोजन में सहभागिता की। आसपास क्षेत्र से आदिवासी समाज अपने पारंपरिक भगोरिया उत्सव मनाने के लिए यहां पहुंचे। अनकवाडी भगवानपुरा रोड़ मंडी प्रांगण के सामने मैदान पर भीड़ लगी शाम 4:00 बजे तक हजारों की संख्या में समाजन शामिल हुए। अधिकांश लोग आधुनिक वेशभूषा में पहुंचे थे। बच्चे, महिलाएं, युवक, युवतियों ने हाट में झूला, मिक्की माउस आदि का आनंद लिया। हाट मैं दिन भर मेले जैसा माहौल रहा। बाज़ार मैं लगीं दुकानों पर दिन भर खूब ग्राहकी रहीं। नगर परिषद ने हाट मैं पेयजल के लिए पानी के टैकर आदि सुविधाएं की। बिस्टान टी आई ग़ुलाब सिंह रावत के साथ पुलिस स्टाप मौजूद रहा। बस स्टैंड बन्नेहर तिराहे से लेकर अनकवाडी बाज़ार हाट तक भीड़ से पूरा मार्ग खचा खच भरा हुआ था।

चंद्रग्रहण का असर, बंद रहे मंदिरों के पट, नहीं मनाई धुलेंडी

खरगोन, निप्र। साल के पहले चंद्र ग्रहण के चलते शहर सहित जिले के सभी मंदिरों के पट सुबह 6 बजे बंद कर दिए गए। इसके पीछे की वजह ये है कि चंद्र ग्रहण के दौरान मूर्ति का स्पर्श या पूजन शास्त्रों में वर्जित माना गया है। पंडित अरविंद डोंगरे के अनुसार भारतीय परंपरा और सनातन धर्म में सूर्य या चंद्र ग्रहण के दौरान मंदिरों के कपाट बंद करने की परंपरा सदियों पुरानी है। 3 मार्च को पूर्ण चंद्र ग्रहण रहा। यह परंपरा मुख्य रूप से शुद्धि, सूतक और आध्यात्मिक सावधानी से जुड़ी हुई है। इसका उल्लेख वैदिक साहित्य, पुराणों और धर्मशास्त्रों में विभिन्न रूपों में मिलता है। ग्रहण का असर न केवल मंदिरों बल्कि धुलेंडी के त्यौहार पर भी रहा। होलिका दहन के दूसरे दिन मनाई जाने वाली धुलेंडी स्थगित कर दी गई। जिन परिवारों में गमी हुई है, उन परिवारों में रंग डालने की परंपरा भी 4 मार्च को निभाई जाएगी। श्री बांके बिहारी मंदिर संस्थापक श्याम बड़ोले ने बताया मंदिरों में स्थापित विग्रह केवल पत्थर नहीं माने जाते, बल्कि उनमें प्राण.प्रतिष्ठा होती है। विश्वास है कि ग्रहण के समय ब्रह्मांडीय विकिरण या अशुभ प्रभाव मूर्तियों की ऊर्जा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए कपाट बंद कर एक प्रकार का सुरक्षा कवच बनाया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार ग्रहण काल साधना, जप और आत्मचिंतन का समय है। मंगलवार को दोपहर 3.20 बजे शुरु हुए चंद्र ग्रहण से 9 घंटे पहले सुबह 6.20 सूतक काल मंदिर के पट बंद कर दिए गए। शाम 6.48 बजे ग्रहण समाप्ति के बाद प्रतिमाओं का स्नान- श्रृंगार करने के बाद दर्शनार्थ पट खोले गए।

ठाकुरजी के साथ प्राकृतिक रंगों से खेली होली

खरगोन, निप्र। शहर के अवनी ग्राम स्थित भगवान ठाकुर जी की हवेली में होली का अनूठा उत्सव नजर आया। यहां 40 दिनों तक ब्रज की तर्ज पर अनोखी होली खेलने की परंपरा लगातार निभाई जा रही है। मंगलवार को धुलेंडी पर 40 दिवसीय होली को विराम दिया गया। यहां पिछले 40 दिन से रोजाना सैकड़ो की संख्या पुष्टि मार्गीय समाजजन एकत्रित होकर भगवान श्रीठाकुर जी के साथ रंगों से सराबोर हो रहे थे। इस दौरान श्रद्धालुओ में अपार आस्था और श्रद्धा नजर देखी गई। इस मंदिर में बृज की तर्ज पर बंसत पंचमी से शुरुआत की गई थी। खास बात यह है की मंदिर में टेशू के फूलों से प्राकृतिक रंग तैयार किये जाते है। वहीं आज धुलेंडी पर गीले रंगो के साथ ही अबीर और गुलाल के साथ सूखे रंग से होली खेली गई। ठाकुर जी की हवेली में वैष्णव संप्रदाय से जुड़े लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। जहां भगवान ठाकुर जी के चार दर्शनों के साथ ही रंगो से सराबोर नजर आए। भगवान के इसी रंग में रंगने के लिए खासतौर पर बच्चो में खासा उत्साह दिखाई दिया। ब्रज की तर्ज पर मंदिर में होली के रसिया गीतो पर महिलाओं नें गोपियां बनकर जमकर नृत्य किया। इस दौरान आस्था और भगवान के प्रति भक्ति का उत्साह चरम पर रहा। मंदिर में होली के दौरान मुखियाजी के हाथ उड़ाए जाने वाले गीले और सूखे रंग को हर कोई अपने ऊपर डलवाने के लिये आतुर नजर आया है। श्रद्धालुओ का मानना है की गोवर्धननाथ मंदिर में भगवान ठाकुर जी के साथ हर कोई श्रद्धालु होली खेलना चाहता है। मंदिर में होली के रसिया गीत के दौरान महिलाएं, पुरुष और बच्चे ढोलक की थाप पर जमकर नृत्य करते नजर आते है।

एक नजर में — कलेक्टर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक

लोगों से प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण करें अधिकारी : कलेक्टर मित्तल

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। कलेक्टर भव्या मित्तल की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनगणना 2026 सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं अभियानों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जनगणना की तैयारियों के तहत मकान मार्किंग कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए सभी तहसीलदारों और सीएमओ को अपने-अपने ब्लॉक्स बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा ब्लॉक तैयार होने के उपरांत प्रगणक एवं पर्यवेक्षक नियुक्त करने की कार्यवाही समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में वन विभाग से संबंधित प्रकरणों एवं वनग्रामों में वनाधिकार के लंबित दावों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया गया। साथ ही HPV वैक्सीनेशन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर मित्तल ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ अधिक से अधिक वैक्सीनेशन सुनिश्चित करने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। संकल्प से समाधान 2.0 अभियान की समीक्षा में सभी आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर मित्तल ने मार्च माह में आयोजित होने वाले ब्लॉक लेवल शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा प्रत्येक शिविर में एक जिला अधिकारी की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। ई-विकास प्रणाली से खाद वितरण एवं फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों की समीक्षा कर इनमें तेजी लाने को कहा गया। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान पानी की टंकियों एवं कुओं का नियमित क्लोरिनेशन एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने, पूर्ण हो चुके कार्यों का हैंडओवर शीघ्र करने तथा सभी पेयजल कूपों को जाली से ढकने की कार्यवाही 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में रबी उपार्जन अंतर्गत गेहूं सत्यापन एवं गिरदावरी कार्य, राहवीर योजना एवं हिट एंड रन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी मामलों का समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि कोई भी विभाग 85 प्रतिशत से कम प्रदर्शन न करे। नोट-अटेंडेड सीएम हेल्पलाइन रहने की स्थिति में एक दिन का वेतन काटने एवं नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही निम्न गुणवत्ता से शिकायतें बंद करने वाले विभागों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए। बैठक में संबल पंजीयन अंतर्गत लोक सेवा अधिनियम के समयबद्ध आवेदनों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए तथा विभागवार समयसीमा के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।